Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

बहुविकल्पी प्रश्न

1. निम्नलिखित में से कौन-सा महासागर नहीं है?

(अ) अंटार्कटिका महासागर (ब) अटलांटिक महासागर

(स) प्रशांत महासागर (द) हिंद महासागर

2. महासागरों के सबसे गहरे भाग होते हैं -

(अ) गभीर सागरीय मैदान (ब) प्रवाल द्वीप

(स) सपाट जलमग्न कैनियन (द) महासागरीय गर्त

3. पर्वतों की दो श्रृंखलाओं से बना हुआ भाग जो एक विशाल अवनमन द्वारा अलग किया गया होता है, कहलाता है-

(अ) समुद्री टीला (ब) मध्य-महासागरीय कटक

(स) जलमग्न कैनियन (द) निमग्न द्वीप

4. महासागरीय अधस्तल को कितने भागों में बाँटा गया हैं?

(अ) तीन (ब) पाँच

(स) चार (द) दो

5. एम्पेरर क्या हैं?

(अ) प्रवाल द्वीप (ब) महासागरीय गर्त

(स) निमग्न द्वीप (द) समुद्री टीला

6. अटलांटिक महासागर की औसत लवणता हैं-

(अ) 36% के लगभग (ब) 33% के लगभग

(स) 40% के लगभग (द) 30% के लगभग

7. ज्वालामुखी क्रिया के द्वारा उत्पन्न होने वाले समुद्री उच्चावच की आकृति हैं -

(अ) समुद्री टीला (ब) मध्य महासागरीय कटक

(स) निमग्न द्वीप (द) प्रवाल द्वीप

8. लवणता को व्यक्त किया जाता हैं -

(अ) PTP में (ब) TPT में

(स) PPT में (द) TTP में

मिशन ज्ञान
पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

9. विश्व का सबसे बड़ा महाद्वीपीय शेल्फ कहा स्थित हैं?

(अ) अटलांटिक महासागर में
(ब) हिंद महासागर में
(स) प्रशांत महासागर में
(द) आकर्टिक महासागर में

10. लवणता को प्रति समुद्री जल में घुले हुए नमक (ग्राम) की मात्र से व्यक्त किया जाता है-

(अ) 1,000 ग्राम
(ब) 10 ग्राम
(स) 10,000 ग्राम
(द) 100 ग्राम

रिक्त स्थान

11. महासागरीय अधस्तल का प्रमुख भाग समुद्र तल के नीचे _____ से _____ कि.मी. के बीच पाया जाता है।

12. महाद्वीपीय शेल्फों की औसत चौड़ाई _____ कि. मी. होती है।

सत्य/असत्य

13. पृथ्वी पर कुल 58 महासागरीय गर्त खोजे गए हैं।

14. अटलांटिक महासागर में सर्वाधिक गर्त हैं।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. महाद्वीपीय सीमांत क्या होता है?

16. समुद्री टीला क्या है?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. लवणता को प्रभावित करने वाले कारक कौन-कौन से हैं?

18. पृथ्वी के धरातल पर जल वितरण के बारे में व्याख्या करें।

निबंधात्मक प्रश्न

19. महासागरों के तापमान के ऊर्ध्वाधर वितरण के बारे में व्याख्या करें।

20. लवणता के ऊर्ध्वाधर वितरण के बारे में व्याख्या करें।

HOTS

21. महासागरों का उच्चतम तापमान सदैव उनकी ऊपरी सतहों पर क्यों होता है?

मिशन ज्ञान
जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

1. (अ)
अंटार्कटिका (या अन्टार्टिका) पृथ्वी का दक्षिणतम महाद्वीप है, जिसमें दक्षिणी ध्रुव अंतर्निहित है। यह दक्षिणी गोलार्द्ध के अंटार्कटिक क्षेत्र और लगभग पूरी तरह से अंटार्कटिक वृत के दक्षिण में स्थित है।

2. (द)
महासागरीय गर्त महासागरो के सबसे गहरे भाग होते हैं। ये लगभग 3 से 5 किमी० तक गहरे होते हैं।

3. (ब)
एक मध्य-महासागरीय कटक पर्वतों की दो श्रृंखलाओं से बना होता है, जो एक विशाल अवनमन द्वारा अलग किए होते हैं। मध्यमहासागरीय कटक महासागर-तल से ऊपर उठा हुआ एक दीर्घ उभार, जो विशेषतः अटलांटिक महासागर (मध्य अटलांटिक कटक) में पाया जाता है।

4. (स)
महासागरीय अधस्तल को चार भागों में बाँटा गया हैं- महाद्वीपीय शेल्फ, महाद्वीपीय ढाल, गहरे समुद्री मैदान और महासागरीय गर्त ।

5. (द)
एम्पेरर समुद्री टीला हैं, जो प्रशांत महासागर में स्थित हैं।

6. (अ)
अटलांटिक महासागर के उत्तरी अंधमहासागर के पृष्ठतल की लवणता अन्य समुद्रों की तुलना में पर्याप्त अधिक है। इसकी अधिकतम मात्रा लगभग 36% है, जो 20°- 30° उत्तर अक्षांशों के बीच विद्यमान है। अन्य भागों में लवणता अपेक्षाकृत कम है।

7. (अ)
समुद्री टीले ज्वालामुखी क्रिया के दौरान उत्पन्न होते हैं।

8. (स)
लवणता को PPT में व्यक्त किया जाता हैं अर्थात एक किलोग्राम समुद्री जल में घुले हुए नमक की मात्रा।

9. (द)
विश्व का सबसे बड़ा महाद्वीपीय शेल्फ आर्कटिक महासागर में स्थित हैं जिसका नाम साइबेरियन शेल्फ हैं और उसकी चौडाई 1500 किमी० हैं।

10. (अ) 1,000 ग्राम

11. 3, 6

12. 80

13. असत्य

14. असत्य

15. यह प्रत्येक महादेश का विस्तृत किनारा होता है जो कि अपेक्षाकृत पिछले समुद्री और खाड़ियों का भाग होता है। यह महासागर का सबसे पिछला भाग होता है। जिसकी औसत प्रवणता 1 डिग्री या उससे भी कम होती है। महाद्वीपीय सीमांत में किनारा बहुत ही खड़े ढाल वाला होता है। यह अत्यंत तीव्र ढाल पर समाप्त होता है।

16. जो रिज 1000 मीटर से उँचे होते हैं वे वितलीय पहाड़ी या समुद्री टीला कहलाते हैं। समुद्री टीले ज्वालामुखी के द्वारा उत्पन्न होते हैं। ये 3,000 से 4,500 मीटर ऊँचे हो सकते हैं। एम्पेरर समुद्री टीला जो प्रशांत महासागर में हवाई द्वीप समूहों का विस्तार है, इसका एक अच्छा उदाहरण है। ऐसे पहाड़ जिनकी चोटियाँ समतल होती है, निमग्न द्वीप कहलाते हैं।

17. महासागरीय लवणता को प्रभावित करने वाले कारक:-

- महासागरों की सतह के जल की लवणता मुख्यतः वाष्पीकरण एवं वर्षण पर निर्भर करती है।
- तटीय क्षेत्रों में सतह के जल की लवणता नदियों के द्वारा लाए गए ताजे जल के द्वारा तथा ध्रुवीय क्षेत्रों में बर्फ के जमने एवं पिघलने की क्रिया से सबसे अधिक प्रभावित होती है।
- पवन भी जल को एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में स्थानांतरित करके लवणता को प्रभावित करती है।
- महासागरीय धाराएँ भी लवणता में भिन्नता उत्पन्न करने में सहयोग करती हैं।
- जल की लवणता, तापमान एवं घनत्व परस्पर संबंधित होते हैं। इसलिए, तापमान अथवा घनत्व में किसी भी

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें
100% FREE!
VIDEO COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

18. पृथ्वी के धरातल पर जल वितरण की व्याख्या निम्नलिखित है :-

1. पृथ्वी पर पाए जाने वाले जल का लगभग 71 प्रतिशत भाग महासागरों में पाया जाता है।
2. शेष जल ताजे जल के रूप में हिमानियों, हिमटोपी, भूमिगत जल, झीलों, मृदा में आर्द्रता, वायुमंडल, सरिताओं और जीवों में संग्रहीत है।
3. धरातल पर गिरने वाले जल का लगभग 59 प्रतिशत भाग महासागरों एवं अन्य स्थानों से वाष्पीकरण के द्वारा वायुमंडल में चला जाता है।

19. महासागरीय जल के तापमान के ऊर्ध्वाधर वितरण का विवरण निम्न प्रकार है-

1. महासागरों में गहराई पर तापमान का गिरना एक समान नहीं है। 2000 मीटर की गहराई तक तापमान शीघ्रता से कम होता है, उसके बाद तापमान का घटना नगण्य-सा हो जाता है।
2. गहराई में तापमान का गिरना उष्ण कटिबन्धों तथा ध्रुवों पर समान नहीं है। उष्ण कटिबन्धों में सतह पर तापमान अधिक पाया जाता है, इसलिए ताप के गिरने की दर भी अधिक है जबकि ध्रुवों पर तापमान गिरने की दर कम है किन्तु अत्यधिक गहराई पर तापमान दोनों ही क्षेत्रों में एक समान होता है।
3. विषुवत रेखीय प्रदेश में अत्यधिक वर्षा के कारण सतह का जल कम गर्म होता है। कुछ गहराई पर ताप ऊँचा मिलता है किन्तु अधिक गहराई में तापमान अधिक गिरा मिलता है।
4. कुछ विशिष्ट सागरों जैसे सारगैसो सागर, लाल सागर तथा भूमध्यसागर आदि में गहराई पर भी ताप अधिक मिलता है। सारगैसो सागर में वातानर्त धाराओं के कारण निकटवर्ती सागरों का ठण्डा जल मिलने नहीं पाता है जिससे तापमान ऊँचा रहता है।
5. उच्च अक्षांशों में घिरे सागरों में तापीय उत्पुण मिलता है। स्वच्छ जल की प्राप्ति के कारण सतह का तापमान कम होता है। गहराई पर अधिक घनत्व तथा अधिक तापयुक्त जल मिलता है अत्यधिक गहराई पर पुनः कम ताप वाला जल पाया जाता है।

20. गहराई के साथ लवणता में परिवर्तन आता है, लेकिन इसमें परिवर्तन समुद्र की स्थिति पर निर्भर करता है। सतह की लवणता जल के बर्फ या वाष्प के रूप में परिवर्तित हो जाने के कारण बढ़ जाती है या ताजे जल के मिल जाने से घटती है जैसा कि नदियों के द्वारा होता है। गहराई में लवणता लगभग निश्चित होती है। क्योंकि वहाँ किसी प्रकार से पानी का 'ह्रास' या नमक की मात्रा में 'वृद्धि' नहीं होती। महासागरों के सतही क्षेत्रों एवं गहरे क्षेत्रों के बीच लवणता में अंतर स्पष्ट होता है। कम लवणता वाला जल उच्च लवणता व घनत्व वाले जल के ऊपर स्थित होता है। महासागरों का सबसे अधिक तापमान ऊपरी सतह पर पाया जाता है। सूर्य की किरणें सागर के जल में 100 मीटर से अधिक गहराई पर नहीं पहुँच पाती। तापमान के आधार पर सागर की गहराई को निम्न तीन परतों में विभाजित किया जा सकता है। जल, थल की अपेक्षा देर में गर्म होता है तथा देर ही में ठंडा होता है। अधिक तापमान होने पर सागर का जल वाष्प में बदल जाता है। इसके अतिरिक्त जल धारायें तापमान को मिश्रित करने में सहायक होती हैं। लवणता साधारणतः गहराई के साथ बढ़ती है तथा एक स्पष्ट क्षेत्र, जिसे हैलोक्काईन कहा जाता है, में यह तीव्रता से बढ़ती है। लवणता समुद्री जल के घनत्व को प्रभावित करती है तथा महासागरीय जल के स्तरीकरण को प्रभावित करती है। यदि अन्य कारक स्थिर रहे तो समुद्री जल की बढ़ती लवणता उसके घनत्व को बढ़ाती है। उच्च लवणता वाला समुद्री जल प्रायः कम लवणता वाले जल के नीचे बैठ जाता है। इससे लवणता का स्तरीकरण हो जाता है।

21. महासागरों का उच्चतम तापमान सदैव उनकी ऊपरी सतहों पर होता है क्योंकि वे सूर्य की ऊष्मा को प्रत्यक्ष रूप से प्राप्त करते हैं और यह ऊष्मा महासागरों के निचले भागों में संहवन की प्रक्रिया से पारेषित होती है। समुद्र की गहराई के साथ तापमान में अन्तर पाया जाता है, किन्तु तापमान में कमी होने की गति गहराई के अनुपात में नहीं होती। ऊपरी सतह पर समुद्र जल का तापमान 26.6° सेण्टीग्रेड होता है, किन्तु 1,098 मीटर की गहराई 4.5° सेण्टीग्रेड और 3,600 मीटर की गहराई पर केवल 1.5° से 2° सेण्टीग्रेड होता है। बाद में चाहे कितनी ही गहराई बढ़ती जाए. तापमान 1.6° सेण्टीग्रेड से कभी नीचे नहीं जाता।

मिशन ज्ञान
पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES